भारत सरकार
पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय

लोक सभा
अतारांकित प्रश्न संख्या: 1188
दिनांक 27 जुलाई, 2023

पेट्रोलियम शोधन क्षमता

1188. श्री. बी. मणिक्कम टैगोर:

क्या **पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या यह सच है कि सरकार का विचार पेट्रोलियम शोधन क्षमता को लगभग 250 मिलियन टन की वर्तमान क्षमता से बढ़ाकर 450 मिलियन टन करने का है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ख) क्या सरकार का विचार अपनी वार्षिक शोधन क्षमता का विस्तार करने का है;

(ग) यदि हां, तो शोधन क्षमता के लिए प्रति वर्ष क्या लक्ष्य निर्धारित किया गया है;

(घ) क्या यह भी सच है कि भावी तेल शोधक कारखाने इतने छोटे हो सकते हैं कि उनमें प्रति वर्ष 20 मिलियन टन की क्षमता हो; और

(ङ) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर
पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय में राज्य मंत्री
(श्री रामेश्वर तेली)

(क) से (ग) भारतीय रिफाइनरियों की मौजूदा शोधन क्षमता 253.92 मिलियन मीट्रिक टन प्रति वर्ष (एमएमटीपीए) है। पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय (एमओपीएनजी) की एक तकनीकी शाखा उच्च प्रौद्योगिकी केंद्र (सीएचटी) द्वारा समेकित किए गए आंकड़ों के अनुसार वर्ष 2028 तक भारतीय रिफाइनरियों की शोधन क्षमता में लगभग 56 एमएमटीपीए की वृद्धि होने का अनुमान है।

(घ) किसी स्थल पर रिफाइनरी का आकार उत्पाद स्लेट, डिजाइन विन्यास, जटिलता, भूमि की उपलब्धता और वित्तीय व्यवहार्यता जैसे विभिन्न घटकों पर निर्भर करता है। अत: भावी रिफाइनरियों के इष्टतम/आदर्श आकार का पूर्वानुमान लगाना संभव नहीं है।

***